



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सूत्रात्मक पत्र का नाम  
२०१५ ज०१२०।

दिनांक  
३-५-२३

पृष्ठ संख्या  
४

कॉलम  
२-५

# स्थायी नवाचार परिस्थितिकी तंत्र बना युवाओं को तकनीकों से जोड़ना जरूरी : काम्बोज

**एचएयू में आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण में शिक्षकों को दी जाएगी जानकारी**

जागरण संगठनाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागर में उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारों, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण की उपयोगिता, विकास व अन्य विषयों पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसमें मुख्यातिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज और डॉ. डी.आर. काम्बोज उपस्थित हुए। यह प्रशिक्षण कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन एकेडमी व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के आइपीआर प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप से 2 से 11 मई तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक व कोर्स डायरेक्टर डा. मंजू मेहता ने स्वागत किया।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य हकूमि सहित अलग-अलग शिक्षण संस्थानों से जुड़े शिक्षकों व शोधकर्ताओं को आइपीआर एवं प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण विषय



प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को संबोधित करते एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

• पीआरओ

पर गहनता से जानकारी देना है। ट्रेडमार्क सहित 39 आइपीआर प्रदान स्थाई नवाचार परिस्थितिकी तंत्र बनाकर युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ना जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि किसी भी संस्थान द्वारा प्राप्त किए गए आइपीआर की संख्या उसकी शोध गुणवत्ता का सूचक होती है। यह संस्थानों की वैश्विक रैंकिंग के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि 2005 में हकूमि ने डीएचआरएम में आइपीआर सेल की स्थापना की और 2007 में अपनी खुद की आइपीआर नीति विकसित करने वाला पहला कृषि विश्वविद्यालय भी बना। उन्होंने बताया कि हकूमि को 20 पेटेंट, 11 कापीराइट, सात डिजाइन और एक

में एचएयू, संबंधित कालेजों, शोध केंद्रों व हासी के राजकीय महिला महाविद्यालय से आए कुल 15 शिक्षक भाग ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण में शिक्षकों को कृषि से संबंधित क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण विषय पर जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में वैश्विक परिप्रेक्ष्य से राष्ट्रीय व उच्च शिक्षा संस्थानों की आइपीआर नीतियों पर भी सत्र आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंच का संचालन डा. जयंती टोकस ने किया।

अंत में डा. अमोघवर्णा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डा. बलवान सिंह मंडल, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहजा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डा. केडी शर्मा, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. बलदेव डोगरा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार, वित्त नियंत्रक नवीन जैन आदि मौजूद रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,

## हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
दैनिक विषय

दिनांक  
३-५-२३

पृष्ठ संख्या  
१

कॉलम  
५-५

### युवाओं को नयी तकनीक से जोड़ना जरूरी : प्रो काम्बोज



हिसार के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को संबोधित करते कुलपति प्रो बीआर काम्बोज। -किस

हिसार, २ मई (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारों, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण की उपयोगिता, विकास व अन्य विषयों पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने किया। यह प्रशिक्षण कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन एकेडमी व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के आईपीआर प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप से २ से ११ मई तक आयोजित किया जाएगा।

प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इसका प्रमुख उद्देश्य हृकृति सहित अलग-अलग शिक्षण संस्थानों से जुड़े शिक्षकों व शोधकर्ताओं को आईपीआर एवं प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण विषय पर गहनता से जानकारी देना है। उन्होंने बताया कि किसी

आईपीआर की संख्या उसकी शोध गुणवत्ता का सूचक होती है। यह संस्थानों की वैश्वक रैंकिंग के लिए भी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में सबसे चर्चित विषय इनोवेशन अर्थात् नवाचार है, जिसमें नई तकनीकों, बेहतर उत्पादों, प्रक्रियाओं व सेवाओं में परिवर्तित करने का समावेश है। उन्होंने कहा कि यदि भारत को वैश्वक नवाचार का केंद्र बनाना है तो हमारे युवाओं विशेष रूप से उच्च शिक्षण संस्थानों में स्थायी नवाचार परिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता है। इसलिए सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के अनुसंधान को नवाचारों में बदलने के लिए एक व्यापक और कार्यात्मक तंत्र होना चाहिए।

आईपीआर सैल प्रभारी डॉ विनोद ने बताया कि 10 दिवसीय प्रशिक्षण में हृकृति, संबंधित कॉलेजों, शोध केंद्रों व हांसी के राजकीय महिला महाविद्यालय से



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाप्तार पत्र का नाम दूरभूमि	दिनांक ३-५-२३	पृष्ठ संख्या १०	कॉलम ३-७
---------------------------------	------------------	--------------------	-------------

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

# आईपीआर की संख्या शोध गुणवत्ता का सूचक

हरिगौमि न्यूज ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारों, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण की उपयोगिता, विकास व अन्य विषयों पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज इसमें मुख्य अतिथि थे। यह प्रशिक्षण कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन एकड़मी व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के आईपीआर प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप



हिसार। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को संबोधित करते एवं स्वयू के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

फोटो: हरिभूमि

से 11 मई तक चलेगा। प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि इस प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य हक्कि सहित अलग-अलग शिक्षण संस्थानों से जुड़े शिक्षकों व शोधकर्ताओं को

आईपीआर एवं प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण की जानकारी देना है। किसी भी संस्थान द्वारा प्राप्त किए गए आईपीआर की संख्या उसकी शोध गुणवत्ता का सूचक होती है।

### संस्था की वैशिक रैकिंग में भी महत्वपूर्ण

यह संस्थानों की वैशिक रैकिंग के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि 2005 में ढकूति ने डीएचआरएम में आईपीआर सेल की स्थापना की और 2007 में अपनी खुद की आईपीआर नीति विकसित करने वाला पहला कृषि विश्वविद्यालय भी बना। ढकूति को 20 एटेंट, 11 कॉर्पोरेशन, 7 डिजाइन और एक ट्रेडमार्क सहित 39 आईपीआर प्रदान किए गए हैं। विश्वविद्यालय ने अपनी प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण के लिए विभिन्न कम्पों के साथ 579 गैर-अनाव्य लाइसेंस समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने बताया कि 20वीं सदी में सबसे चार्टेड विषय इनावेशन अर्थात् नवाचार है, जिसमें नई तकनीकों, बेहतर उत्पादों, प्रक्रियाओं व सेवाओं में परिवर्तित करवैं का समावेश है। प्रधानमंत्री ने 2010 से 2020 के दशक को नवाचार के दशक के रूप में घोषित किया है। यदि भारत को वैशिक नवाचार का केंद्र बनाना है तो हमारे युवाओं, विशेष रूप में उत्तर शिक्षण संस्थानों में स्थार्थ नवाचार परिवर्तिका तंत्र बनाने की आवश्यकता है। आईपीआर हवार्ज एवं सहायक निदेशक डॉ. विलोद ने बताया कि 10 दिवसीय प्रशिक्षण में एवं स्वयू संबोधित कॉलेजों, शोध केंद्रों व हासी के राजकीय महिला महाविद्यालय से एस. कुल 15 शिक्षक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. जयती टोकस ने किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. बलवान सिंह मंडल, ओसडी डॉ. अतुल ढीगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा भी जूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
पंजाब कॉलेज

दिनांक  
३-५-२३

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
५-६

### शिक्षण संस्थानों में स्थाई नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ना जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, २ मई (ब्लूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारों, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण की उपयोगिता, विकास व अन्य विषयों पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसमें मुख्यातिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित हुए।

यह प्रशिक्षण कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन एकेडमी व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के आईपीआर प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप से २ से ११ मई तक आयोजित किया जाएगा।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने बताया



प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

कि इस प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य हकृति सहित अलग-अलग शिक्षण संस्थानों से जुड़े शिक्षकों व शोधकर्ताओं को आई.पी.आर. एवं प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण विषय पर गहनता से जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में स्थाई नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ना जरूरी है।

आई.पी.आर.सैल इंचार्ज एवं सहायक निदेशक डॉ. विनोद ने बताया कि 10 दिवसीय प्रशिक्षण में एच.ए.यू., संबंधित कॉलेजों, शोध केंद्रों व हासी के राजकीय महिला महाविद्यालय से आए 15 शिक्षक भाग ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण में शिक्षकों को कृषि से संबंधित क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण विषय पर जानकारी दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभ्युक्ति	३-५-२३	५	५-६

## युवाओं को नई तकनीक से जोड़ना जरूरी : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू में 10 दिवसीय प्रशिक्षण  
शिविर का शुभारंभ

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में उच्च शिक्षण संस्थानों में बैंडिक संपदा अधिकारों पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण आईपीआर प्रकोष्ठ की ओर से संयुक्त रूप से 11 मई तक आयोजित किया जाएगा। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक व कोर्स डायरेक्टर डॉ. मंजू मेहता ने मुख्य अतिथि एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कांबोज का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि किसी भी संस्थान द्वारा प्राप्त किए गए आईपीआर की संख्या उसकी शोध गुणवत्ता का सूचक होती है। यह संस्थानों की वैश्विक रैंकिंग के लिए भी महत्वपूर्ण है। आज युवाओं को नई तकनीक से जोड़ना जरूरी है। वर्ष 2005

में एचएयू ने डीएचआरएम में आईपीआर सेल की स्थापना की और 2007 में अपनी खुद की आईपीआर नीति विकसित करने वाला पहला कृषि विश्वविद्यालय भी बना। उन्होंने बताया कि एचएयू को 20 पेटेट, 11 कॉर्पोरेइट, 7 डिजाइन और एक ट्रेडमार्क सहित 39 आईपीआर प्रदान किए गए हैं। विश्वविद्यालय ने अपनी प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण के लिए विभिन्न फर्मों के साथ 579 गैर-अनन्य लाइसेंस समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

आईपीआर सेल इंचार्ज एवं सहायक निदेशक डॉ. विनोद ने बताया कि 10 दिवसीय प्रशिक्षण में एचएयू, संबंधित कॉलेजों, शोध केंद्रों व हांसी के राजकीय महिला महाविद्यालय से आए कुल 15 शिक्षक भाग ले रहे हैं। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस तो धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. अमोघवर्षा ने पारित किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
अज्ञात सभापति

दिनांक  
३-५-२३

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
५

**शिक्षण संस्थानों में ट्यूइनगवार  
पारिस्थितिकी तंत्र बनाए युवाओं को नई  
तकनीकों से जोड़ा जाएगा : प्रो. काम्बोज**

हिसार, २ मई (विरेन्द्र वर्मा):  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारों, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण की उपयोगिता, विकास व अन्य विषयों पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हआ, जिसमें मुख्यातिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित हुए। यह प्रशिक्षण कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन एकेडमी व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के आईपीआर प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप से २ से ११ मई तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक व कोर्स डायरेक्टर डॉ. मंजू मेहता ने सभी का स्वागत किया। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य हक्कि सहित अलग-अलग शिक्षण संस्थानों से जुड़े शिक्षकों व शोधकर्ताओं को आईपीआर एवं प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण विषय पर गहनता से जानकारी देना है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	02.05.2023		

शिक्षण संस्थानों में स्थाई नवाचार परिस्थितिकी तंत्र बनाकर युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ना जरूरी : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा नूज  
हिस्टर, 2 मई। चौथे वरण सिंह हरियाणा  
की विधायिकालय में मानव संसाधन  
प्रबंधन निदेशालय के संपादन में उच्च  
कानूनी संस्थानों में बीड़ियां संपदा  
अधिकारों प्रौद्योगिकी के व्यावसायिकरण  
को उत्तरांशित, विकास व अन्य विषयों पर  
एलटीवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का  
शुभार्पण हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री के नाम  
पर विधायिकालय के कृतपत्री श्री. वी. आर.  
कांवड़ेज उपलब्ध हुए। यह प्रशिक्षण कृषि  
अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन परकेडी व  
मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के  
आईपीआर प्रोफेसर डॉ. संस्कृत रूप से 2 से  
11 मई तक आयोजित किया जाएगा।  
प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत 2005  
संसाधन प्रबंधन निदेशालय को निदेशक व  
कोसि लायोरटर डॉ. मंजु मेहता ने मरीज का  
स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री. वी. आर.  
कांवड़ेज ने बताया कि इस प्रशिक्षण का  
प्रमुख उद्देश्य है कृषि संतोष अलग-अलग  
सिंघण संस्थानों से बढ़े विकास के ब  
रोधकार्ताओं को आईपीआर एवं  
प्रौद्योगिकी के व्यावसायिक विषय पर  
व्यवहार से जागरूक ढाना है। उन्नें बताया  
कि इसी भी संस्थान द्वारा प्राप्त किए गए  
आईपीआर को संस्कृत विषय  
मुख्यमंत्री जब युक्त होती है। यह संस्थानों  
को विशिष्ट रैकिंग के सिंग भी महत्वपूर्ण  
है। उन्नें बताया कि 2005 में हृष्टि ने  
ट्रैक्टरजाराम में आईपीआर सेवा को  
स्थापित की और 2007 में अपनी दूसरी को  
आईपीआर नीति विकासित करने वाली  
पहला कृषि विधायिकालय भी बना।  
बताया कि हर कृषि को 20 पंद्रह 11  
कौशिग्राद, 7 डिजिट और एक ट्रैक्टर  
सहित 39 आईपीआर प्रदान किए गए हैं।  
उन्नें बताया कि यदि भारत की ऐसी

वाचान का केंद्र बनाना है यो हमरे पृथ्वीमें, विशेष रूप से उच्च विशेष संस्थानों में स्थाई वाचान प्रार्थनितकी विवरण बनाने की अवश्यकता है। इसलिए हमारी उच्च विशेष संस्थानों के अनुसंधान को व्याख्या और कार्यालयक तरंग होना चाहिए। व्याख्या व प्रार्थनितकों तीन दृष्टिपूर्ण छात्रों को देखियां और प्रार्थनितकों से अलगाव का वर्णन करें। उन्होंने विशेषों से आँखान विज्ञा कि वे इस प्रार्थना के प्रभाव से पटेंट, कॉर्पोरेट, डिजाइन व आर्टिस्ट जैसी वर्गीकरण से समाझो ताकि वे अपने विशेष संस्थानों में जबकि संस्थान नए छात्रों को लाएं कर सकें। उन्होंने विज्ञा कि विभिन्नियों के व्याख्यानों में काफी महादरण सहित होती है। प्रार्थनितकों से समाझो ताकि वे अपने विशेष व विवेचन दो विवेचन कर सकें। उन्होंने विज्ञा कि इस प्रार्थना में एवरेंज, संवैधानिक कानूनों, रोक बंदी व हासी के योगोंमें महान समाजविद्यालय से आए कुल 15 विशेष भाग से रहे हैं। इस प्रार्थना में विशेषकों को कृपि से संस्थापित ढंगों में प्रोटोकॉलों व्यावसायिकत्र विषय पर जानकारी दी जाएगी। सभी ही पटेंट फार्मिंग, कॉर्पोरेट, ट्रॉडमर्क, पौरीतीवान एंड अर्ट, फार्मिंग इन्डस्ट्रीज, व्यावसायिक संस्कृतों सहित आईटीआर का विविध दोषोंमें विज्ञानों पर अलग-अलग तरफ के मध्यम से व्याख्यान देकर कई महाविद्यालयों जानकारी भी दी जाएगी। उन्होंने विज्ञा कि प्रार्थनितकों जो अनुसंधान एं विकास, विनियोग जैसी विधियों और अतिरिक्त व्यापार और संस्थानों पर आईटीआर को प्राप्तिवानता के लिए प्रोटोकॉलों व्यावसायिकत्र और संवैधानिक निवीं वायोगोंको कुपूर्ण में विवेचन करना चाहिए। उन्होंने विज्ञा कि इस प्रार्थना में विवेचन परीक्षण में यहीं वाचान संस्थानों को आई पी आर नीतियों पर भी सभा भव्यतावान किया जाएगा। साथ ही प्रार्थनितकों का अधिकान करने के लिए एक सी टेस्ट भी लिया जाएगा। इस प्रार्थना कार्यक्रम में मंच का संचालन दो वर्षीय टोकस के लिया। और मैं यहीं अलगवानों से ध्वन्यावधान प्रदान पारंपरिक दिव्या। इस अवसरा पर गोपनीय दृष्टिव्याप्ति विद्यालय संस्था में भव्यतावान प्रदान करें। इस अवसरा पर गोपनीय दृष्टिव्याप्ति विद्यालय संस्था में अलग-अलग अनुसंधान निदेशक तो जीवनरूप शरण, कृषि महाविद्यालय के अधिकारक तथा एकसे पाइया, यात्राकर्ता अधिकारी तथा केही शरण, कृषि अधिकारियोंको एवं तकनीकी विद्यालयोंको अधिकारी तथा नीरव कृपाएं, विव निवेदक नवीन जैन महाविद्यालय के अधिकारी तथा

Digitized by srujanika@gmail.com



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	02.05.2023		

## शिक्षण संस्थानों में स्थाई नवाचार परिस्थितिकी तंत्र बनाकर युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ना जरूरी : प्रो. काम्बोज



पांच बजे ब्लॉग

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारी, प्रौद्योगिकों के व्यावसायिकण की उपस्थिति, विकास व अन्य विषयों पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सुपारंभ हुआ। जिसमें मुख्यालियत के तौर पर विश्वविद्यालय के कुर्तव्यों के लिए विभिन्न फर्मों के साथ 579 गैर-अनन्य लाइसेंस संस्थानों पर हस्ताक्षण किए हैं। उन्होंने बताया कि 21वीं सदी में सबसे चर्चित विषय इनोवेशन अर्थात् नवाचार है, जिसमें नई तकनीकों, बैठक उत्पादों, प्रौद्योगिकों व सेवाओं में विविर्तित करने का समावेश है। उन्होंने बताया कि देश के प्रशान्तमंडी निदेशकों ने 2010 से 2020 के दशक को नवाचार के दशक के रूप में घोषित किया है। यदि भारत को वैश्वक नवाचार का केंद्र बनाना है तो हमारे युवाओं, विशेष रूप से उच्च शिक्षण संस्थानों में स्थाई नवाचार परिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता है। इसलिए, सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के अनुसंधान ने नवाचारों में बदलने के लिए एक व्यापक और कार्यालयक तंत्र बनाया चाहिए। यह परिस्थितिकी तंत्र हमारे युवा छात्रों को नए विचारों और प्रौद्योगिकों से अवगत करने के लिए एक व्यापक और गहनता से जानकारी देना है। उन्होंने बताया कि किसी भी संस्थान द्वारा प्राप्त किए गए अहंपीआर की संख्या उसकी रोध गुणवत्ता का सचक होती है। यह संस्थानों की वैश्वक रैंकिंग के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि 2005 में खट्टि ने अंतर्राष्ट्रीय में अहंपीआर सेल की स्थापना की अहंपीआर और 2007 में अपनी खुद की अहंपीआर नीति विकसित करने

वाला पहला कृषि विश्वविद्यालय भी बना। उन्होंने बताया कि इकूल की 20 पैटेंट, 11 कॉर्पोरेट, 7 डिजाइन, पीपीसीएफ एड आर, भीगोलिक संकेतों सहित आहंपीआर के विभिन्न लोगों द्वारा विवरण दिये गए हैं। विश्वविद्यालय ने अपनी प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकाण के लिए विभिन्न फर्मों के साथ 579 गैर-अनन्य लाइसेंस संस्थानों पर हस्ताक्षण किए हैं। उन्होंने बताया कि 21वीं सदी में सबसे चर्चित विषय इनोवेशन अर्थात् नवाचार है, जिसमें नई तकनीकों, बैठक उत्पादों, प्रौद्योगिकों व सेवाओं में विविर्तित करने का समावेश है। उन्होंने बताया कि देश के प्रशान्तमंडी निदेशकों ने 2010 से 2020 के दशक को नवाचार के दशक के रूप में घोषित किया है। यदि भारत को वैश्वक नवाचार का केंद्र बनाना है तो हमारे युवाओं, विशेष रूप से उच्च शिक्षण संस्थानों में स्थाई नवाचार परिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता है। इसलिए, सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के अनुसंधान ने नवाचारों में बदलने के लिए एक व्यापक और कार्यालयक तंत्र बनाया चाहिए। यह परिस्थितिकी तंत्र हमारे युवा छात्रों को नए विचारों और प्रौद्योगिकों से अवगत करने के लिए एक व्यापक और गहनता से जानकारी देना है। उन्होंने बताया कि किसी भी संस्थान द्वारा प्राप्त किए गए अहंपीआर की संख्या उसकी रोध गुणवत्ता का सचक होती है। यह संस्थानों की वैश्वक रैंकिंग के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि 2005 में खट्टि ने अंतर्राष्ट्रीय में अहंपीआर सेल की स्थापना की अहंपीआर और 2007 में अपनी खुद की अहंपीआर नीति विकसित करने

सहायक निदेशक डॉ. विनोद ने बताया कि 10 दिवसीय प्रशिक्षण में एवरएग, संवाधित काँलेजों, शोध केंद्रों व हास्पी के राजकोय महाविद्यालय से आए कल 15 शिशक भाग ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण में शिक्षकों को कृषि से संबंधित क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी

व्यावसायिकण विषय पर जानकारी दी जाएगी। साथ ही पेटेंट फाइलिंग, कॉर्पोरेट, टेक्नोलॉजी, डिजाइन, पीपीसीएफ एड आर, भीगोलिक संकेतों सहित आहंपीआर के विभिन्न लोगों द्वारा विवरण दिये गए अन्य अलग सत्र के माध्यम से व्याख्यान देकर कई महत्वपूर्ण जानकारी भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी को अनुसंधान एवं विकास, दैनिक जीवन और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और संबंधों पर आहंपीआर की प्रासादिकता के अलावा प्रौद्योगिकी के व्यावसायिकण और संवाजनिक निजी भागीदारी के मुद्दों से भी अवगत कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में वैश्वक परिप्रेक्षण से गतिशील व उच्च शिक्षा संस्थानों की आई पी और नीतियों पर भी सत्र आयोजित किया जाएगा। साथ ही प्रौद्योगिकी का अंकलन करने के लिए एक प्री टेस्ट भी लिया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मच का संचालन द्वारा जयती टोक्स

ने किया। अंत में डॉ. अमोघवर्णा ने अन्यतर प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर गविस्तर डॉ. बलवन सिंह मड्डल, आरएसडी डॉ. अनुल दीगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम रामा, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एसके पाहजा, स्नातकोत्तर अधिकारी डॉ. केढी शर्मा, कृषि अभ्यासिकों एवं तकनीकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. बलदेव डोमा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार, वित्त नियंत्रक नवीन जैन सहित अन्य अधिकारीगण व शिक्षक भी जूट रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज़	02.05.2023		

### शिक्षकों को बौद्धिक संपदा अधिकारों व कृषि क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण पर दी जाएगी जानकारी

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के समागम ने उंच शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारों, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण की उपयोगिता, विकास व अन्य विषयों पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के तौर पर कुलपति प्रो. बी.आर. कामोज उपस्थित हुए। मुख्यातिथि ने बताया कि इस प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य हक्कड़ी सहित अलग-अलग शिक्षण संस्थानों से जुड़े शिक्षकों व शोधकर्ताओं को आईपीआर एवं प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण विषय पर गहनता से जानकारी देना है। उन्होंने बताया कि किसी भी संस्थान द्वारा प्राप्त किए गए आईपीआर की



संख्या उसकी शोध गुणवत्ता का सूचक होती है। यह संख्यानों की वैधिक रैंकिंग के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे इस प्रशिक्षण के माध्यम से पेटेट, कॉर्पोरेशन, डिजाइन व आईपीआर को बाटीकी से समझे ताकि वे अपने शिक्षण संस्थानों में जाकर सीखी गई चीजों को

लागू कर सकें, जिससे कि विद्यार्थियों के उत्थान में काफी महत्वगार साबित होगी। सक्रियक निदेशक डॉ. विनोद ने बताया कि प्रशिक्षण ने एचएम, संबंधित कॉलेजों, शोध केंद्रों व हक्कड़ी के राजकीय निलाला जलविद्यालय से आए 15 शिक्षक भाग ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण में शिक्षकों को कृषि से संबंधित क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी

व्यावसायीकरण विषय पर जानकारी दी जाएगी। साथ ही पेटेट फाइलिंग, कॉर्पोरेशन, ड्रेमार्क, डिजाइन, पीपीवीएफ एंड आर, मैग्नोलिक स्कैक्टो सहित आईपीआर के विभिन्न डोमेन विषयों पर अलग-अलग सत्र के माध्यम से व्याख्यान देकर कई जानकारी भी दी जाएगी।